

रंगीन मछली ऐप

17 सितम्बर, 2014

नई दिल्ली

रंगीन मछली ऐप सजावटी मत्स्य पालन क्षेत्र की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने की एक पहल है। यह एक्वेरियम का शौक रखने वाले दुकान मालिकों और मत्स्य पालकों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी और महत्वपूर्ण संसाधन प्रदान करता है। इसे प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के सहयोग से आईसीएआर- सीआईएफए (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- केंद्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान) ने विकसित किया है।

ऐप की विशेषताएं

"रंगीन मछली" ऐप आठ भारतीय भाषाओं में लोकप्रिय सजावटी मछली प्रजातियों के बारे में बहुभाषी जानकारी प्रदान करता है। इस प्रकार, यह लोगों की व्यापक के लिए सुलभ है। चाहे शौकिया लोग मछली की देखभाल के बारे में मार्गदर्शन चाहते हों या किसान अपनी नस्लों में विविधता लाना चाहते हों, ऐप देखभाल, प्रजनन और रखरखाव प्रथाओं पर व्यापक जानकारी प्रदान करता है।

ऐप की एक खास विशेषता "फाइंड एक्वेरियम शॉप्स" टूल है, जो उपयोगकर्ताओं को आस-पास के एक्वेरियम स्टोर खोजने में मदद करता है। यह शानदार निर्देशिका नियमित रूप से दुकान मालिकों द्वारा अपडेट की जाती है और यह स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा देते हुए उपयोगकर्ताओं को सजावटी मछली और एक्वेरियम से संबंधित उत्पादों के लिए विश्वसनीय स्रोत प्रदान करती है।

एजुकेशन मॉड्यूल

ऐप में सजावटी मछली उद्योग में नए लोगों और पेशेवरों दोनों के लिए एजुकेशन मॉड्यूल शामिल हैं। "एक्वेरियम केयर की मूल बातें" मॉड्यूल में एक्वेरियम के प्रकार, मछलियाँ, जल निस्पंदन, प्रकाश व्यवस्था, भोजन, दिन-प्रतिदिन के रखरखाव जैसे आवश्यक विषयों को शामिल किया गया है, जबकि "सजावटी जलीय कृषि" मॉड्यूल विभिन्न सजावटी मछलियों के प्रजनन, पालन के बारे में बताया गया है।

ऐप का उपयोग कैसे करें

1. इस लिंक <https://play.google.com/store/apps/details?id=com.ornamentalfish> पर क्लिक करके गूगल प्ले स्टोर से रंगीन मछली ऐप डाउनलोड करें।
2. अपना व्यक्तिगत विवरण जैसे ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर और पता भरकर नया खाता बनाएँ। लॉग इन के लिए अपना पासवर्ड भी बनाएँ।
3. फिर अपनी पसंद की भाषा चुनें।

4. ऐप उपयोग के लिए तैयार है।

ऐप लॉन्च इवेंट

12 सितंबर 2024 को केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह ने भुवनेश्वर में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद- केंद्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-सीआईएफए) में "रंगीन मछली" मोबाइल ऐप पेश किया।

सजावटी मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए अन्य सरकारी पहल

पीएमएमएसवाई मछली पकड़ने की कई गतिविधियों में सहायता प्रदान करता है, जिसमें मछली पकड़ने के बंदरगाहों और मछली लैंडिंग केंद्रों का विकास शामिल है। इसके अतिरिक्त, यह सजावटी मछली पालन इकाइयों, मछली खुदरा बाजारों और मछली कियोस्क की स्थापना को बढ़ावा देता है।

सजावटी मत्स्य पालन के विकास के लिए पीएमएमएसवाई योजनाएं:

- घर पर सजावटी मछली पालन इकाई (समुद्री और मीठे पानी दोनों, इकाई लागत 3.0 लाख रुपये)
- मध्यम स्तर की सजावटी मछली पालन इकाई (समुद्री और मीठे पानी की मछली, जिसकी इकाई लागत 8.0 लाख रुपये है)
- एकीकृत सजावटी मछली इकाई (मीठे पानी की मछलियों के लिए प्रजनन और पालन) जिसकी इकाई लागत 25.0 लाख रुपये है
- एकीकृत सजावटी मछली इकाई (समुद्री मछली के लिए प्रजनन और पालन) जिसकी इकाई लागत 30.0 लाख रुपये है।

सजावटी मछलियों की किस्में

यह गर्व की बात है कि भारत में सजावटी मछलियों की समृद्ध विविधता है, जिसमें पूर्वोत्तर क्षेत्र और पश्चिमी घाटों से 195 से अधिक देशी किस्में और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्रों से लगभग 400 प्रजातियाँ शामिल हैं। भारत से निर्यात की जाने वाली अधिकांश सजावटी मछलियाँ जंगली किस्में हैं, जिन्हें मुख्य रूप से पूर्वोत्तर और दक्षिणी राज्यों की नदियों से एकत्र किया जाता है, जो देश के कुल सजावटी मछली निर्यात का लगभग 85% योगदान देती हैं। पूर्वोत्तर से रिपोर्ट की गई 195 प्रजातियों में से 155 सजावटी मूल्य की हैं।

पश्चिमी घाट, जो विश्व के 34 'जैव विविधता हॉटस्पॉट' क्षेत्रों में से एक है, यहां अनेक मीठे पानी की मछली प्रजातियों का घर है, जिनमें से 40 सजावटी महत्व की हैं, तथा 37 इस क्षेत्र की स्थानिक प्रजातियां हैं।

भारत में सजावटी मछली के लगभग 90% व्यापार में मीठे पानी की प्रजातियाँ शामिल हैं, जबकि शेष 10% में समुद्री प्रजातियाँ शामिल हैं। भारत में अधिकांश सजावटी मछली प्रजनक मुख्य रूप से विदेशी प्रजातियों को वरीयता देते हैं। शौकिया लोगों के बीच सबसे गोल्डफ़िश लोकप्रिय प्रजाति है, जिसके कारण भारतीय सजावटी मछली क्षेत्र में इसकी नस्ल काफी होती है। आम जीवित प्रजातियों के अलावा, प्रजनक ऑस्कर, फ़लावर हॉर्न, टेट्रास, डिस्कस और सिक्लिड्स जैसी विशेष प्रजातियों पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं।

संदर्भ

- <https://pi.b.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2054284>
- <https://x.com/FisheriesGov/STATUS/1834198716015890538>
- <https://pi.b.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1985343>
- <https://static.pi.b.gov.in/WireReadData/userfiles/PMSY%20BookEnglish.pdf>
- <https://nfdb.gov.in/PDF/Fish%20&%20Fisheries%20of%20India/3.Ornamental%20Fisheries%20of%20India.pdf>

एमजी/एआर/केजे/जीआरएस